मासिक समाचार पत्र

परिसर

चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय,मेरठ

जून–जुलाई
2026

योग शिविर में योग करते मेरठ के सांसद अरुण गोविल, यूपी सरकार में मंत्री सोमेंद्र तोमर और विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर संगीता शुक्ला।

योगमय हुआ विश्वविद्यालय, सीखे सेहत के सबक

चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय और क्रीड़ा भारती की ओर से हर वर्ष की भांति इस बार भी अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर सात दिवसीय योग शिविर का भव्य आयोजन किया गया। 15 जून को योग शिविर का शुभारंभ हुआ और समापन 21 जून को हुआ। इस दौरान योग गुरु स्वामी कर्मवीर महाराज ने न केवल अनेक योगाभ्यास कराए बल्कि बच्चों से लेकर बड़ों तक के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण गुर भी बताए।

योग शिविर के दौरान मेरठ के आम नागरिकों के अतिरिक्त मेरठ के वर्तमान सांसद अरुण गोविल, पूर्व सांसद राजेंद्र अग्रवाल, यूपी सरकार में मंत्री सोमेंद्र तोमर समेत अनेक गण्यमान्य विभूतियों ने योग शिविर का लाभ उठाया।

कुलपित प्रोफेसर संगीता शुक्ला निरंतर योग शिविर में उपस्थित रहीं और लोगों से ज्यादा से ज्यादा संख्या में शिविर का लाभ उठाने की अपील की। शिविर के बाद रोजाना स्वास्थ्य शिविर का भी आयोजन किया गया, जिसमें स्वामी कर्मवीर महाराज ने लोगों को स्वास्थ्य परामर्श दिया।

योग शिविर का शुभारंभ करतीं कुलपति प्रोफेसर संगीता शुक्ला और योग गुरु स्वामी कर्मवीर महाराज।

योग शिविर के दौरान स्वामी कर्मवीर महाराज को पादप भेंट करतीं कुलपति प्रोफेसर संगीता शुक्ला।

योग शिविर में योगासन करतीं कुलपति प्रोफेसर संगीता शुक्ला, विश्वविद्यालय के शिक्षक और शहर के नागरिक।

महिला बंदियों हेतु वर्कशॉप : सीसीएसयू के महिला अध्ययन केंद्र द्वारा जिला कारागार में महिला बंदियों हेतु कौशल विकास एवं आत्मनिर्भरता वर्कशॉप हुई। वर्कशॉप में हर्बल कॉस्मेटिक्स निर्माण, खाद्य संरक्षण एवं प्रसंस्करण, स्वास्थ्य, स्वच्छता, स्वरोजगार एवं लघु उद्यम से जुड़ा व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया।

कुलपति प्रोफेसर संगीता शुक्ला के नेतृत्व में पोलैंड के दौरे पर भारत की राजदूत नीता भूषण के साथ मुलाकात करता सीसीएसयू का प्रतिनिधिमंडल (बाएं) और पोजनान यूनिवर्सिटी के साथ एमओयू के दौरान वहां के पदाधिकारियों के साथ कुलपति।

भारत–पोलैंड की साझेदारी बनेगी सतत विकास का वैश्विक मॉडल : कुलपति

पोलैंड में अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में प्रो. संगीता शुक्ला ने दिया व्याख्यान

परिसर संवाददाता

मेरठ। चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर संगीता शुक्ला ने शुक्रवार तीन जुलाई को पोलैंड के प्रतिष्ठित पोजनान यूनिवर्सिटी आफ लाइफ साइंसेज में आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में व्याख्यान दिया। 'बिल्डिंग इंडो–पोलिश कोलैबोरेशंस फार सस्टेनेबल एनवायरनमेंट' विषय पर कहा कि भारत और पोलैंड की साझेदारी वैश्विक सतत विकास का नया मॉडल बन सकती है। सम्मेलन में विभिन्न देशों के शिक्षाविदों, वैज्ञानिकों, शोधकर्ताओं, नीति–निर्माताओं और उद्योग जगत के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

कुलपति ने कहा कि जलवायु परिवर्तन, जैव विविधता का क्षरण, जल संकट और असंतुलित विकास जैसी वैश्विक चुनौतियों का समाधान किसी एक देश के बस की बात नहीं है। इन समस्याओं का समाधान शोध आधारित और परिणामोन्मुख अंतरराष्ट्रीय सहयोग से ही संभव है।

कुलपति ने कहा कि भौगोलिक दूरी के बावजूद भारत और पोलैंड की पर्यावरण संरक्षण, वैज्ञानिक नवाचार और सतत विकास के प्रति प्रतिबद्धता समान है। दोनों देशों की मजबूत कृषि परंपरा, उच्च शिक्षा संस्थान और वैज्ञानिक क्षमता मिलकर दुनिया के सामने टिकाऊ विकास का नया मॉडल प्रस्तुत कर सकते हैं।

प्रो. शुक्ला ने वसुधैव कुटुंबकम् की भारतीय अवधारणा का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत सदैव प्रकृति और मानवता के बीच संतुलन का पक्षधर रहा है। प्रोफेसर संगीता शुक्ला ने पोलैंड में पर्यावरणीय प्रौद्योगिकी, सतत कृषि, अपशिष्ट प्रबंधन, नवीकरणीय ऊर्जा और जल संसाधन प्रबंधन के क्षेत्र में हो रहे कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि दोनों देशों के विश्वविद्यालय संयुक्त शोध, नवाचार, फैकल्टी एवं छात्र आदान–प्रदान और साझा परियोजनाओं के माध्यम से वैश्विक स्तर पर महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं।

सम्मेलन के दौरान सीसीएसयू प्रतिनिधिमंडल ने पोजनान यूनिवर्सिटी आफ लाइफ साइंसेज के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ औपचारिक बैठक भी की, जिसमें डीन प्रो. डेनिय लिपिंस्की, वाइस डीन प्रो. मैचेयकुलिगोव्स्की, वाइस डीन प्रो. राफाल स्टासिक और प्रो कैरोलिना पावलाक सहित अन्य शिक्षाविद मौजूद रहे। बैठक में संयुक्त शोध, फैकल्टी एवं छात्र विनिमय, पर्यावरण और कृषि विज्ञान के क्षेत्र में सहयोग तथा भविष्य की शैक्षणिक साझेदारी को मजबूत बनाने पर विस्तार से चर्चा हुई।

सीसीएसयू ने अंतरराष्ट्रीय शोध सहयोग को नई गति देने के लिए यूरोपीय संघ के प्रतिष्ठित इरास्मस मुंडस कार्यक्रम के अंतर्गत शैक्षणिक सहयोग और फैलोशिप के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू की है। साथ ही पोलिश नेशनल एजेंसी फार एकेडमिक एक्सचेंज की फैलोशिप योजनाओं के लिए वैज्ञानिकों और शिक्षाविदों ने आवेदन प्रस्तुत किए हैं।

सीसीएसयू के पोलैंड के दो विश्वविद्यालयों से एमओयू

उच्च शिक्षा,संयुक्त शोध, नवाचार, छात्र विनिमय को मजबूत करेंगे

परिसर संवाददाता

मेरठ। चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. संगीता शुक्ला के नेतृत्व में विश्वविद्यालय के प्रतिनिधिमंडल ने पोलैंड में दो प्रतिष्ठित पोलिश विश्वविद्यालयों के साथ शैक्षणिक और शोध सहयोग के लिए समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। इसी के साथ कुलपति ने पोलैंड के अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत–पोलैंड शैक्षणिक सहयोग पर मुख्य व्याख्यान भी दिया। प्रतिनिधिमंडल में शोध एवं विकास निदेशक प्रो. बीर पाल सिंह और अंतरराष्ट्रीय सहयोग प्रकोष्ठ के उप निदेशक प्रो. जितेंद्र सिंह शामिल हैं।

पोलैंड पहुंचने के बाद प्रतिनिधिमंडल ने वारसॉ स्थित भारतीय दूतावास में भारत की राजदूत नीता भूषण से मुलाकात की। इस दौरान दोनों देशों के बीच उच्च शिक्षा, संयुक्त शोध, छात्र–शिक्षक विनिमय, नवाचार और संस्थागत सहयोग को मजबूत बनाने पर चर्चा हुई। प्रतिनिधिमंडल ने पोजनान यूनिवर्सिटी ऑफ लाइफ साइंसेज में शोध प्रयोगशालाओं का भी दौरा किया और संयुक्त शोध परियोजनाओं, छात्र–शिक्षक विनिमय तथा नवाचार आधारित सहयोग पर चर्चा की। अगले चरण में प्रतिनिधिमंडल ने नेशनल लुईस यूनिवर्सिटी (डब्ल्यूएसबी–एनएलयू) का भ्रमण किया। यहां भी दोनों संस्थानों के बीच एमओयू पर हस्ताक्षर हुए। इससे संयुक्त शोध, कौशल विकास, स्टार्टअप, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, सूचना प्रौद्योगिकी और अंतरराष्ट्रीय शिक्षा से जुड़े कार्यक्रमों को नई गति मिलने की उम्मीद है।

कुलपति प्रो. संगीता शुक्ला ने कहा कि विश्वविद्यालय का लक्ष्य वैश्विक संस्थानों के साथ मजबूत साझेदारी स्थापित कर विद्यार्थियों को विश्वस्तरीय अवसर उपलब्ध कराना है। पोलैंड का यह दौरा विश्वविद्यालय की अंतरराष्ट्रीय पहचान को और मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगा।

धूमधाम से मना चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय का स्थापना दिवस

परिसर संवाददाता

मेरठ। शिक्षा तभी सार्थक है, जब वह व्यक्ति को जिम्मेदार, संवेदनशील और जागरुक नागरिक बनाए। विद्यार्थी अपने ज्ञान, कौशल और संस्कारों के जरिए समाज और राष्ट्र के विकास में सक्रिय भूमिका निभाएं, यही विवि की सबसे बड़ी उपलब्धि होगी। वर्तमान समय ज्ञान, तकनीक और नवाचार का है। ऐसे में विवि का दायित्व है कि वह गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, अनुसंधान, कौशल विकास एवं रोजगारोन्मुखी शिक्षा पर फोकस करते हुए छात्रों को वैश्विक चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार करे। चौ. चरण सिंह विवि के 61वें स्थापना दिवस पर यह बात कुलपति प्रो. संगीता शुक्ला ने कही।

कुलपति सहित विवि के अधिकारी, शिक्षक एवं कर्मचारियों ने महापुरुषों की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किए। इसके बाद हवन एवं पूजन हुआ। कुलपति ने कहा कि विवि आज शिक्षा, शोध, नवाचार और सामाजिक उत्तरदायित्व क्षेत्र में निरंतर नई ऊंचाइयां प्राप्त कर रहा है। यह प्रगति किसी एक व्यक्ति का नहीं, बल्कि विवि से जुड़े प्रत्येक शिक्षक, कर्मचारी, शोधार्थी, छात्र–छात्रा एवं पूर्व छात्र के सामूहिक प्रयासों का परिणाम है।

कुलपति ने सभी से समर्पण, ईमानदारी और टीम भावना के साथ काम करते हुए विवि को उत्कृष्टता के नए आयामों तक पहुंचाने में योगदान देने की अपील की।

इस अवसर पर कार्यवाहक कुलसचिव प्रो. भूपेंद्र सिंह, वित्त अधिकारी रमेश चंद्र, परीक्षा नियंत्रक अजय कृष्ण यादव, प्रो. वीरपाल सिंह, प्रो. अतवीर सिंह, प्रो. कृष्णकांत शर्मा, प्रो. राकेश शर्मा, प्रो. रमाकांत ओझा, प्रो. प्रदीप चौधरी, प्रो. सरू कुमारी, डॉ. जमाल अहमद सिद्दीकी, प्रो. संजीव कुमार, डॉ. दुष्यंत चौहान एवं इं. मनीष मिश्रा मौजूद रहे।

स्थापना दिवस पर हवन–पूजन में भाग लेतीं कुलपति और शिक्षकगण।

संरक्षक : प्रोफेसर संगीता शुक्ला (कुलपति), **मुख्य संपादक :** डॉ. मनोज कुमार श्रीवास्तव, **संपादक :** लव कुमार सिंह, **संपादकीय सलाहकार :** डॉ. दीपिका वर्मा, डॉ. बीनम यादव, **संपादकीय टीम :** बीएजेएमसी और एमएजेएमसी के छात्र–छात्राएं।

स्वास्थ्य जांच शिविर : दीक्षोत्सव के दौरान रानी लक्ष्मीबाई छात्रावास में स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन महिला अध्ययन केंद्र, स्वामी कल्याण देव चिकित्सालय और मेडिकल कॉलेज ने किया। शुभारंभ कुलपति प्रोफेसर संगीता शुक्ला ने किया।

सीसीएसयू की उपलब्धि : गणित शिक्षा में यूपी में अव्वल, देश में 16वां स्थान

शोध कार्यों, प्रकाशित शोध पत्रों व अकादमिक प्रभाव के आधार पर मिली उपलब्धि

परिसर संवाददाता

मेरठ। चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय (सीसीएसयू) ने अंतरराष्ट्रीय शैक्षणिक रैंकिंग संस्था एजुरैंक–2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। विश्वविद्यालय ने गणित शिक्षा (मैथमेटिक्स एजुकेशन व मैथ टीचर्स) श्रेणी में उत्तर प्रदेश में पहला स्थान प्राप्त किया है जबकि देशभर में इस श्रेणी में विश्वविद्यालय को 16वीं रैंक मिली है। यह उपलब्धि विश्वविद्यालय के शोध कार्यों, प्रकाशित शोध पत्रों और अकादमिक प्रभाव के आधार पर मिली है।

एजुरैंक–2026 ने 183 देशों के 14,131 विश्वविद्यालयों का मूल्यांकन किया। गणित शिक्षा विषय में उत्तर प्रदेश के 14 विश्वविद्यालयों के 2,480 से अधिक शोध पत्रों और 18,700 से अधिक उद्धरणों (साइटेशन) का विश्लेषण किया गया, जिसमें सीसीएसयू ने प्रदेश के अन्य सभी विश्वविद्यालयों को पीछे छोड़ते हुए शीर्ष स्थान पर कब्जा जमाया।

समग्र विश्वविद्यालय रैंकिंग में भी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई

गणित शिक्षा के अलावा समग्र विश्वविद्यालय रैंकिंग में भी सीसीएसयू ने अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई है। 4,634 शोध प्रकाशनों और 66,330 से अधिक उद्धरणों के आधार पर विश्वविद्यालय को वैश्विक स्तर पर 2,273वां, एशिया में 637वां और भारत में 59वां स्थान मिला है।

वहीं, उत्तर प्रदेश में विश्वविद्यालय ने आठवीं रैंक हासिल की है, जबकि मेरठ जिले में यह पहले स्थान पर बना हुआ है। विश्वविद्यालय का एल्युमनी इम्पैक्ट स्कोर 1,869 दर्ज किया गया है।

गणित विषय की समग्र शोध रैंकिंग में आईआईटी कानपुर, बीएचयू और एएमयू जैसे संस्थान अग्रणी रहे हैं लेकिन गणित शिक्षा श्रेणी में सीसीएसयू ने प्रदेश में शीर्ष स्थान हासिल कर अपनी अलग और विशिष्ट पहचान बनाई है।

29 मई को चौधरी चरण सिंह की पुण्यतिथि पर उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण करतीं कुलपति प्रोफेसर संगीता शुक्ला।

योग जागरूकता अभियान...

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के तहत आयोजित योग जागरूकता अभियान की श्रृंखला में कुलपति प्रो. संगीता शुक्ला के नेतृत्व में योग विज्ञान विभाग ने डोगरा मंदिर परिसर, मेरठ छावनी में सेना के जवानों के साथ सामूहिक योगाभ्यास किया।

सीसीएसयू के तीन बड़े समझौते, शोध और कौशल विकास को मिलेगी रफ्तार

परिसर संवाददाता

मेरठ। चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय में तीन महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए। इन समझौतों के माध्यम से शोध, हरित तकनीक, पुनर्चक्रण, डिजिटल संचार और कौशल विकास के क्षेत्र में विद्यार्थियों को नए अवसर प्राप्त होंगे। विश्वविद्यालय ने केंद्रीय गूदा एवं कागज अनुसंधान संस्थान, भारतीय कृषि एवं पुनर्चक्रित कागज मिल संघ तथा एडजेक्टिव जनसंपर्क प्राइवेट लिमिटेड के साथ सहयोग समझौते किए।

कुलपति प्रोफेसर संगीता शुक्ला ने कहा कि नई शिक्षा व्यवस्था में विद्यार्थियों को केवल पुस्तकीय ज्ञान तक सीमित नहीं रखा जा सकता। उन्हें उद्योग, शोध और आधुनिक तकनीकों से जोड़ना समय की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि इन समझौतों से विद्यार्थियों को शोध परियोजनाओं, औद्योगिक प्रशिक्षण इंटर्नशिप, डिजिटल कौशल और आधुनिक तकनीकों से जुड़ने का अवसर मिलेगा।

छात्रों को उद्योग, शोध और तकनीक से जोड़ना समय की आवश्यकता

केंद्रीय गूदा एवं कागज अनुसंधान संस्थान तथा भारतीय कृषि एवं पुनर्चक्रित कागज मिल संघ के साथ हुए समझौतों के तहत कागज उद्योग, पुनर्चक्रण तकनीक, कृषि अवशेषों के उपयोग, अपशिष्ट प्रबंधन और हरित तकनीकों पर संयुक्त शोध कार्य किए जाएंगे।

संस्थान के निदेशक डॉ. आशीष कुमार ने कहा कि विश्वविद्यालयों और उद्योगों की साझेदारी नई तकनीकों के विकास को गति देगी तथा विद्यार्थियों को वास्तविक औद्योगिक समस्याओं पर कार्य करने का अवसर मिलेगा।

वहीं विश्वविद्यालय के तिलक पत्रकारिता एवं जनसंचार विद्यालय तथा सर छोटूराम अभियंत्रण एवं प्रौद्योगिकी संस्थान के सूचना प्रौद्योगिकी विभाग ने एडजेक्टिव जनसंपर्क प्राइवेट लिमिटेड के साथ मीडिया, डिजिटल संचार, विषयवस्तु निर्माण और ब्रांडिंग से जुड़े क्षेत्रों में सहयोग हेतु समझौता किया। इसके माध्यम से विद्यार्थियों को आधुनिक मीडिया उद्योग के अनुरूप प्रशिक्षण, इंटर्नशिप और व्यावहारिक अनुभव प्राप्त होंगे।

विश्वविद्यालय के शोध निदेशक प्रोफेसर बीरपाल सिंह ने बताया कि विश्वविद्यालय उद्योगों के साथ साझा शोध योजनाओं पर कार्य करेगा, जिससे शोधार्थियों को उद्योग आधारित शोध और व्यवहारिक अनुभव प्राप्त हो सके।

कार्यक्रम संयोजक प्रोफेसर आर. के. सोनी ने बताया कि कागज प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में विश्वविद्यालय को प्रोफेसर चेयरह्न उपलब्ध कराने का आश्वासन भी दिया गया है। साथ ही विश्वविद्यालय से निकलने वाले कागजी अपशिष्ट के वैज्ञानिक प्रबंधन पर भी कार्य किया जाएगा।

कार्यक्रम के अंतर्गत कागज उद्योगों के लिए सतत सामग्री विषय पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन भी किया गया, जिसमें विशेषज्ञों ने सतत विकास, पर्यावरण संरक्षण और पुनर्चक्रण तकनीकों पर अपने विचार साझा किए।

प्रोफेसर संजीव कुमार शर्मा को सेवानिवृत्ति पर दी भावभीनी विदाई

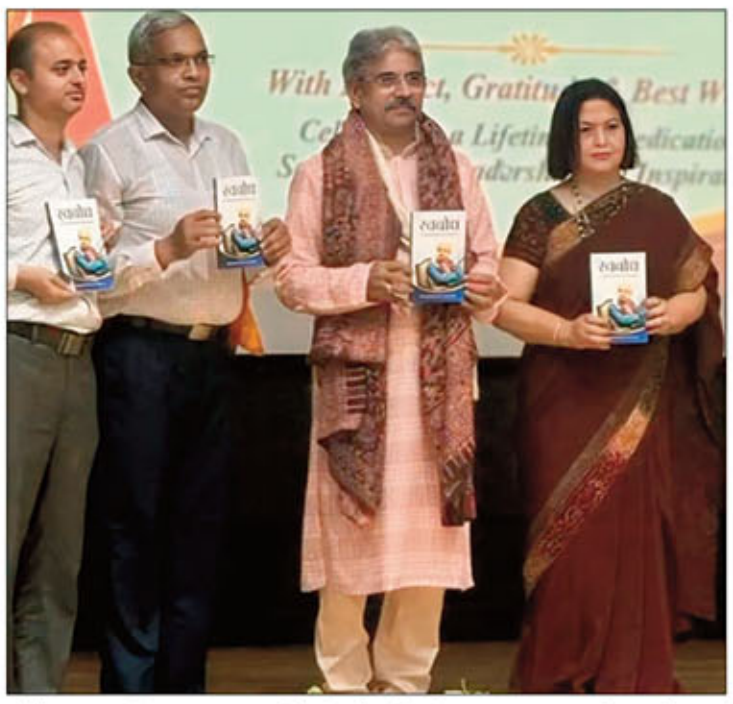

प्रोफेसर संजीव कुमार शर्मा की सेवानिवृत्ति पर हुए कार्यक्रम में उनके साथ उपस्थित कुलपति प्रोफेसर संगीता शुक्ला (बाएं) और कार्यक्रम में मौजूद विश्वविद्यालय के अधिकारी व शिक्षकगण।

परिसर संवाददाता

मेरठ। चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय में वरिष्ठ शिक्षाविद प्रोफेसर संजीव शर्मा को उनकी सेवानिवृत्ति पर 30 जून को अटल सभागार में भावभीनी विदाई दी गई। इस दौरान उनके जीवन पर तिलक पत्रकारिता एवं जनसंचार स्कूल द्वारा निर्मित फिल्म दिखाई गई। इस दौरान वक्ताओं ने उनके दीर्घ व उल्लेखनीय शैक्षणिक जीवन पर प्रकाश भी डाला। कुल. पति प्रोफेसर संगीता शुक्ला ने कहा कि प्रोफेसर शर्मा का योगदान विश्वविद्यालय परिवार के लए सदैव स्मरणीय रहेगा।

वक्ताओं ने कहा कि प्रोफेसर संजीव कुमार शर्मा ने अपने ज्ञान, कार्यनिष्ठा, प्रशासनिक दक्षता और सौम्य व्यक्तित्व से विश्वविद्यालय की शैक्षिक गरिमा को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। पूर्व सांसद राजेंद्र अग्रवाल ने कहा कि प्रोफेसर संजीव कुमार शर्मा ने शिक्षा को समाज निर्माण का प्रभावी माध्यम बनाते हुए विद्यार्थियों में नैतिक मूल्यों, राष्ट्रभावना एवं सामाजिक उत्तरदायित्व का विकास करने में उल्लेखनीय योगदान दिया है।

प्रोफेसर संजीव कुमार शर्मा ने विश्वविद्यालय परिवार, सहकर्मियों, विद्यार्थियों और कर्मचारियों के प्रति आत्मीय आभार व्यक्त करते हुए कहा कि चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय से जुड़ी स्मृतियां उनके जीवन की सबसे मूल्यवान धरोहर रहेंगी।

साइकिल रैली का आयोजन : विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह से पहले आयोजित दीक्षोत्सव कार्यक्रम के दौरान साइकिल रैली का भी आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के गेट से रैली का शुभारंभ हुआ। इसमें छात्र–छात्राओं ने बड़े उत्साह से भाग लिया।

प्रतिभा निखारने का मंच है दीक्षोत्सव : कुलपति

परिसर संवाददाता

मेरठ। चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय में दीक्षांत समारोह से पहले दीक्षोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसके तहत छात्र–छात्राओं की प्रतिभा को उजागर करने के लिए निबंध, नृत्य, भाषण, चित्र लेखन, कुश्ती, कबड्डी समेत अनेक प्रतियोगिताओं का आयोजन हुआ। दीक्षोत्सव का समापन अटल सभागार में जिसमें विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. संगीता शुक्ला ने विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेता छात्र–छात्राओं को ट्रॉफी एवं प्रमाण–पत्र प्रदान कर सम्मानित किया।

इस अवसर पर कुलपति प्रो. संगीता शुक्ला ने कहा कि विश्वविद्यालय केवल शैक्षणिक ज्ञान का केंद्र नहीं, बल्कि विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास का भी महत्वपूर्ण मंच है। उन्होंने कहा कि दीक्षोत्सव जैसे आयोजन विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा, रचनात्मकता, नेतृत्व क्षमता तथा व्यक्तित्व विकास को प्रदर्शित करने का अवसर प्रदान करते हैं। कुलपति ने विद्यार्थियों का आह्वान किया कि वे शिक्षा के साथ–साथ सांस्कृतिक, साहित्यिक एवं खेल गतिविधियों में भी सक्रिय भागीदारी करें। इससे उनमें टीम भावना, नेतृत्व कौशल, रचनात्मक चिंतन तथा स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना विकसित होती है, जो भविष्य में उन्हें सफल नागरिक एवं सक्षम पेशेवर बनने में सहायता प्रदान करेगी।

कार्यक्रम के अंत में कुलपति ने आयोजन समिति, साहित्यिक एवं सांस्कृतिक समन्वयकों, शिक्षकों एवं प्रतिभागी विद्यार्थियों को सफल आयोजन के लिए शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। समापन से पूर्व छात्र–छात्राओं ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर उपस्थित लोगों का मन मोह लिया।

पोस्टर प्रतियोगिता में सिद्धांत, विनीता, कशिश ने क्रमशः पहला, दूसरा और तीसरा स्थान प्राप्त किया। कबड्डी प्रतियोगिता में तो स्वयं कुलपति ने भी मैदान पर उतरकर छात्राओं का उत्साहवर्धन किया।

कबड्डी प्रतियोगिता में खुद मैदान में उतरीं कुलपति।

गीत प्रतियोगिता में भाग लेते छात्र–छात्राएं।

कुश्ती प्रतियोगिता का शुभारंभ करातीं कुलपति।

फेक न्यूज, डीपफेक और सूचना की अधिकता पत्रकारिता के लिए चुनौती

हिंदी पत्रकारिता के 200 वर्ष पूर्ण होने पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन, देशभर के शिक्षाविदों और शोधार्थियों ने रखे विचार

सचिन कुमार / वंदना शर्मा

मेरठ। डिजिटल युग में पत्रकारिता के समक्ष फेक न्यूज, डीपफेक, सूचना की अधिकता, डिजिटल थकान और बदलते मीडिया परिदृश्य जैसी चुनौतियां तेजी से उभर रही हैं। इन चुनौतियों का सामना करने के लिए पत्रकारों को तकनीकी दक्षता के साथ–साथ नैतिक मूल्यों और तथ्यपरकता को भी सशक्त बनाना होगा। यह विचार शनिवार 30 मई को 'स्कोप एंड चौलेंजेज ऑफ जर्नलिज्म इन डिजिटल एरा' विषय पर आयोजित एक दिवसीय राष्ट्रीय ऑनलाइन संगोष्ठी में वक्ताओं ने व्यक्त किए।

'इनोवेटिव रिसर्च थॉट्स इन सोशल साइंसेज जर्नल' द्वारा आयोजित इस राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन हिंदी पत्रकारिता के 200 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत संयोजक डॉ. मनोज कुमार श्रीवास्तव ने सभी अतिथियों, वक्ताओं, शोधार्थियों एवं प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए की। एडिटर–इन–चीफ डॉ. दीपिका वर्मा ने आईआरटीएसएस (ब्लै) जर्नल का परिचय प्रस्तुत करते हुए उसके उद्देश्यों, शोध के क्षेत्र में योगदान तथा अकादमिक महत्व पर प्रकाश डाला।

उद्घाटन सत्र का संचालन तिलक स्कूल ऑफ जर्नलिज्म एंड मास कम्युनिकेशन की शोधार्थी तनिषा माथुर ने किया। मुख्य वक्ता एवं भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग से संबद्ध वैज्ञानिक डॉ. निमिष कपूर ने डिजिटल पत्रकारिता के वर्तमान स्वरूप और उससे जुड़ी चुनौतियों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि तकनीक के विकास ने पत्रकारिता को नई संभावनाएं प्रदान की हैं, लेकिन इसके साथ अनेक नई चुनौतियां भी सामने आई हैं। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के जनसंचार विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर एवं सह–अध्यक्ष डॉ. जी.के. साहू ने वर्तमान मीडिया जगत की स्थिति पर विचार रखते हुए मीडिया की बदलती भूमिका पर चर्चा की। भारतीय जन संचार संस्थान (आईआईएमसी), नई दिल्ली के प्रोफेसर एवं अध्यक्ष प्रो. (डॉ.) प्रमोद कुमार ने प्रिंट मीडिया से डिजिटल मीडिया तक पत्रकारिता की दो शताब्दियों की यात्रा को रेखांकित करते हुए कहा कि तकनीकी बदलावों के बावजूद पत्रकारिता का मूल उद्देश्य विश्वसनीय और तथ्यपरक जानकारी उपलब्ध कराना है।

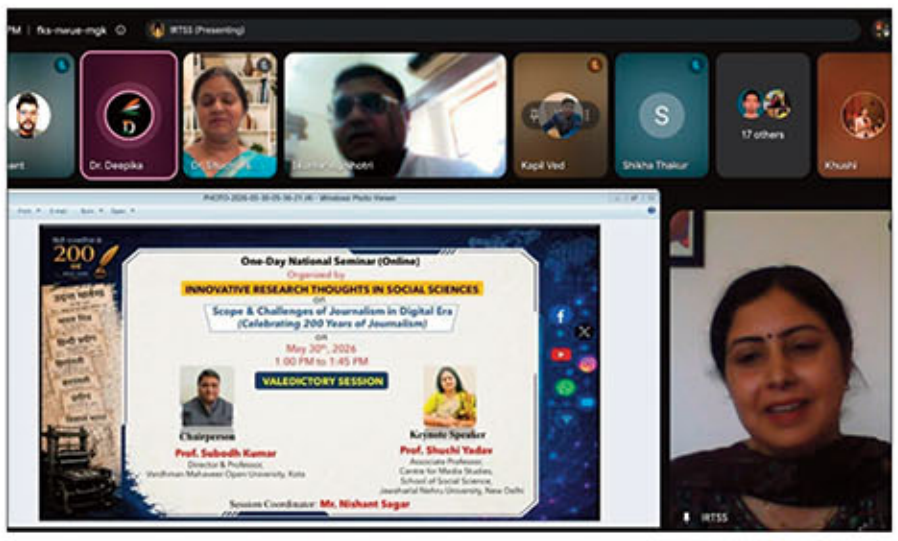

तकनीकी सत्र–1 का संचालन तिलक स्कूल की प्रथम वर्ष की छात्रा खुशी यादव ने किया। ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय, लखनऊ की सहायक प्रोफेसर डॉ. रुचिता सुजई

चौधरी ने स्मार्टफोन मीडिया की बढ़ती शक्ति और उसके प्रभावों पर विस्तृत चर्चा की। इसके बाद शोधार्थियों ने शोधपत्र प्रस्तुत किए। चेतन त्रिपाठी ने 'ट्रुथ इन द एज ऑफ इल्यूजन', निधि शर्मा ने 'मेजर एथिकल इश्यूज इन डिजिटल जर्नलिज्म', प्रेरणा भारती ने 'डिजिटल युग में हिंदी पत्रकारिता पर सोशल मीडिया का प्रभाव', जबकि नमित हंस ने 'नागरिकता संशोधन अधिनियम के संदर्भ में डिजिटल मीडिया विमर्श के फ्रेमिंग और नैरेटिव विश्लेषण' विषय पर विचार प्रस्तुत किए। अन्य प्रतिभागियों ने भी पत्रकारिता और डिजिटल मीडिया से जुड़े समसामयिक विषयों पर शोध प्रस्तुत किए। दोनों तकनीकी सत्रों में कुल 30 शोधपत्र प्रस्तुत किए गए।

सत्र के अध्यक्ष सीसीएसयू के रा. जनीति विज्ञान विभाग के डॉ. मुनेश कुमार ने शोधपत्रों की सराहना करते हुए कहा कि डिजिटल पत्रकारिता पर केंद्रित ऐसे शोध वर्तमान समय की आवश्यकताओं और चुनौतियों को समझने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने शोधार्थियों को तथ्यपरक, समाजोपयोगी और गुणवत्तापूर्ण शोध कार्यों के लिए प्रेरित किया। सत्र का समापन डॉ. दीपिका वर्मा ने प्रस्तुतकर्ताओं की सराहना एवं धन्यवाद ज्ञापन के साथ किया। उन्होंने कहा कि 'इनोवेटिव रिसर्च थॉट्स इन सोशल साइंसेज जर्नल' भविष्य में भी समय–समय पर ऐसी संगोष्ठियों का आयोजन करता रहेगा।

समापन सत्र का संचालन तिलक स्कूल के शोधार्थी निशांत सागर ने किया। अध्यक्ष प्रो. सुबोध कुमार ने समाज, मीडिया और पत्रकारिता के बदलते स्वरूप पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि सूचना की अधिकता, मीडिया का बढ़ता प्रभाव, डीपफेक और फेक न्यूज जैसी चुनौतियां पत्रकारिता के लिए गंभीर विषय हैं। उन्होंने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के दौर में रचनात्मकता को बनाए रखना भी एक बड़ी चुनौती बनकर उभरा है। साथ ही उन्होंने पत्रकारिता की दो सौ वर्षों की यात्रा का उल्लेख करते हुए युवाओं को भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार रहने का संदेश दिया।

मुख्य वक्ता एवं जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के सेंटर फॉर मीडिया स्टडीज की प्रोफेसर प्रो. सुची यादव ने कहा कि डिजिटल युग में पत्रकारिता के सामने सूचना की अधिकता, समाचारों से बढ़ती दूरी, डिजिटल थकान तथा विचारों में बढ़ते विभाजन जैसी नई चुनौतियां मौजूद हैं। उन्होंने गुणवत्तापूर्ण समाचार सामग्री की आवश्यकता और बदलते मीडिया परिदृश्य में पत्रकारों की भूमिका पर भी महत्वपूर्ण विचार साझा किए।